भारत - तुर्की संबंध

भारत और तुर्की के बीच गहरे ऐतिहासिक संपर्क हैं। उप महाद्वीप के ओत्तोमान सुल्तानों और मुस्लिम शासकों के बीच राजनयिक मिशनों का आदान-प्रदान वर्ष 1481-82 से शुरू हुआ था। भारत और तुर्की भी सांस्कृतिक रूप से मेलजोल वाले हैं। भारतीय उप महाद्वीप के अपनी सूफी परंपरा और भक्ति आंदोलन की परंपराओं के साथ, मेवलाना जलालुद्दीन रूमी के सूफी दर्शन की अनुगूँज भी यहां सुनाई दी। ऐसे अनेक शब्द भी हैं जो हिंदुस्तानी एवं तुर्की दोनों भाषाओं में सामान्य रूप से मिलते हैं जो एक अनुमान के अनुसार हजारों की संख्या में हैं।

भारत और तुर्की के बीच हाल ही के ऐतिहासिक संपर्क प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता सेनानी डॉ0 एम. ए. अंसारी के नेतृत्व में बलकान युद्ध के दौरान 1912 में तुर्की में गए मेडिकल मिशन में प्रतिबिम्बित हुए थे। खिलाफत आंदोलन (1919-1924) राजनीतिक विरोध का एक अखिल इस्लामी अभियान था जिसे ब्रिटिश सरकार को प्रभावित करने तथा महात्मा गांधी की सहायता से प्रथम विश्व युद्ध के बाद ओटोमन साम्राज्य की रक्षा करने के लिए ब्रिटिश भारत में मुसलमानों द्वारा चलाया गया था। भारत ने भी 1920 में तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम और तुर्की गणराज्य के गठन के लिए सहयता प्रदान की थी। महात्मा गांधी ने प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति पर तुर्की पर हुए अन्याय के विरुद्ध स्वयं आवाज उठाई थी।

हाल ही के समय में, दोनों देशों के नेताओं द्वारा आपसी देशों में दौरे किए जाने से द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं। इनमें वर्ष 2008 में तुर्की प्रधान मंत्री रेसेप तैयप एरडोगन और वर्ष 2010 में तुर्की के राष्ट्रपति अब्दुल्ला गुल की भारत यात्राएं शामिल हैं। माननीय एप राष्ट्रपति श्री मोहम्मद हामिद अंसारी ने 10-15 अक्टूबर 2011 को तुर्की का दौरा किया था।

राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने तुर्की के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 5 से 7 अक्टूबर 2013 तक तुर्की की यात्रा की थी। इस यात्रा के दौरान, पांच अंतर-सरकारी करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इनके साथ-साथ, शिक्षा क्षेत्र में छह करारों पर भी हस्ताक्षर किए गए थे, ये हैं- एनएसआईसी और लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संगठन (कोसगेब) के बीच समझौता ज्ञापन; आकाशवाणी और तुर्की रेडियो एवं टीवी कॉरपोरेशन (टीआरटी) के बीच प्रोटोकॉल; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा तुर्की की वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान परिषद (टुबिटैक) के बीच प्रोटोकॉल; भारत सरकार तथा तुर्की सरकार के बीच अभिलेखागारों के क्षेत्र में प्रोटोकॉल; जामिया मिलिया इस्लामिया तथा कादिर हास विश्वविद्यालय, तुर्की के बीच समझौता ज्ञापन; दिल्ली विश्वविद्यालय और तुर्की के कादिर हास विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन; मेवलाना विश्वविद्यालय, तुर्की और हैदराबाद विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन; जामिया मिलिया इस्लामिया और इस्ताम्बूल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन; दिल्ली विश्वविद्यालय और अतातुर्क विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और कादिर हास विश्वविद्यालय, तुर्की के बीच समझौता ज्ञापन।

विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 15 और 16 जनवरी, 2015 के दौरान तुर्की का कार्यकारी दौरा किया तथा अपने समकक्ष श्री मेवलुट कैवुसोग्लू के साथ चर्चा की। तुर्की के विदेश मंत्री श्री कैवुसोग्लू ने 19 मार्च, 2015 को नई दिल्ली में एक संक्षिप्त ट्रांजिट हाल्ट किया जिसके दौरान उन्होंने विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज से मुलाकात की। आपसी हित के द्विपक्षीय तथा अन्य क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।

तुर्की के वित्त मंत्री श्री मेहमेट सिम्सेक ने 22 से 24 फरवरी, 2015 तक मुंबई और नई दिल्ली का दौरा किया तथा वित्त मंत्री श्री अरूण जेटली और पेट्रोलियम राज्य मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ बैठकें की। उप प्रधानमंत्री अली बाबाकन ने नई दिल्ली में बी-20 तुर्की क्षेत्रीय परामर्श मंच बैठक में भाग लेने के लिए 3 से 7 अप्रैल, 2015 तक भारत का दौरा किया, जिसका आयोजन सी आई आई द्वारा किया गया था। उप प्रधनमंत्री अली बाबाकन ने अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री तथा वित्त मंत्री के साथ बैठकें की।

विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) डा. विजय कुमार सिंह ने 1915 के कैनाक्कल भूमि एवं समुद्री युद्धों की 100वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए 24 से 26 अप्रैल, 2015 तक एक भारतीय शिष्टमंडल के तुर्की दौरे का नेतृत्व किया।

अप्रैल 2000 में एक प्रोटोकॉल के माध्यम से सचिव स्तरीय विदेश कार्यालयी परामर्श को संस्थागत बनाया गया था। परामर्श के विगत चक्र का आयोजन 17 अप्रैल 2015 को नई दिल्ली में हुआ था। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) श्री नवतेज सिंह सरना द्वारा भारत के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया गया और तुर्की के शिष्टमंडल का नेतृत्व अंडर सेक्रेटरी श्री फेरिदुन सिनिरलियोग्लू द्वारा किया गया। 28 नवंबर, 2014 को अंकारा में विदेश कार्यालय परामर्श के मध्यावधि सत्र का भी आयोजन किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत के विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (मध्य यूरोप) श्री राहुल छाबड़ा द्वारा किया गया था, और तुर्की प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तुर्की के विदेश मंत्रालय में महानिदेशक (दक्षिण एशिया) राजदूत साकिर ओजकान तोरनुलार द्वारा किया गया था।

सितंबर 2003 में हमारे प्रधान मंत्री की यात्रा के दौरान आतंकवाद से लड़ने संबंधी संयुक्त कार्य समूह की स्थापना के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए थे। आतंकवाद की खिलाफत पर गठित संयुक्त कार्य समूह की 3वीं बैठक 11 मार्च, 2015 को अंकारा में हुई। भारत के शिष्टमंडल का नेतृत्व श्री विनोद कुमार, अपर सचिव (आई ओ), विदेश मंत्रालय द्वारा किया गया। जुलाई 2012 में मध्य एशिया पर कार्यकारी स्तर के परामर्श का आयोजन किया गया।

जी-20 की बैठकों में भाग लेने के क्रम में 2015 के दौरान भारत के अनेक शिष्टमंडलों ने तुर्की का दौरा किया। जी-20 बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में 7 और 8 मई 2015 को इस्तांबुल में आयोजित कृषि मंत्री बैठक में कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने तुर्की के खाद्य, कृषि एवं पशुधन मंत्री श्री मेहमेट मेहदी एकेर से द्विपक्षीय वार्ता की। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 5 और 6 अक्टूबर 2015 को इस्तांबुल में आयोजित जी-20 व्यापार मंत्री बैठक में भाग लिया। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने जी-20 बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में तुर्की के अर्थ मंत्री श्री निहात जेयबेकी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 और 16 नवंबर 2015 को अंताल्या में आयोजित जी-20 शिखर बैठक में भाग लिया। जी-20 बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स नेता बैठक में भाग लिया तथा तुर्की के राष्ट्रपति रिसेप तैयिप एरडोगन, आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मैलकोम टर्नकुल, स्पेन के प्रधानमंत्री मारियानो राजोय, सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुल्लाजीज अल सौद तथा यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष श्री जीन क्लौड जुंकर तथा यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष श्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

19वीं शताब्दी में ओटोमन फ्रिगेट एर्टुग्रल की समुद्री यात्रा को पीछे लौटाते हुए तुर्की के नौसेना पोत टीसीजी गेडिज़ ने मुंबई एवं चेन्नई में क्रमश: 20 से 23 अप्रैल 2015 और 2 से 4 जुलाई 2015 के दौरान पोर्ट कॉल किया। सामरिक पड़ोसी अध्ययन दौरे के अंग के रूप में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के एक शिष्टमंडल ने 22 से 26 अगस्त 2015 के दौरान तुर्की का दौरा किया। आई एन एस त्रिकंद ने 4 से 6 अक्टूबर 2015 के दौरान इस्तांबुल में पोर्ट कॉल किया।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

भारत-तुर्की आर्थिक एवं वाणिजयिक सहयोग विगत वर्षों में गहरा हुआ है और यह द्विपक्षीय संबंध का महत्वपूर्ण पहलू है। सरकारी स्तर पर और बिजनेस टू बिजनेस स्तर पर विभिन्न द्विपक्षीय करार और संस्थागत कार्यतंत्र आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंधों को मजबूत करने के लिए संरचना प्रदान करते हैं।

भारत और तुर्की के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक करार पर 1973 में हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद 1983 में भारत-तुर्की संयुक्त आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग आयोग (जेसीईटीसी) की स्थापना संबंधी करार पर हस्ताक्षर किए गए। इस करार के अंतर्गत, भारत-तुर्की संयुक्त आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग आयोग (जेसीईटीसी) बैठकें बारी-बारी से भारत और तुर्की में आयोजित की जाती हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) तथा तुर्की के विदेश आर्थिक संबंध बोर्ड के बीच भारत-तुर्की संयुक्त व्यावसायिक परिषद (जेबीसी) की स्थापना 1996 में की गई थी। भारत-तुर्की संयुक्त आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग आयोग (जेसीईटीसी) की 10वां सत्र जनवरी 2014 में नई दिल्ली में आयोजित हुआ था। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तत्कालीन वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा द्वारा और तुर्की के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तुर्की गणराज्य के आर्थिक मंत्री श्री निहात जेबेकसी द्वारा किया गया था।

(28 अगस्त से 2 सितंबर 2014 तक) इजमिर में 83वें इजमिर अंतरराष्ट्रीय मेले में 'फोकस कंट्री' के रूप में भाग लिया। 50 से अधिक भारतीय कंपनियों ने फिक्की के बैनर तले इस मेले में भाग लिया। इजमिर अंतरराष्ट्रीय मेले के लिए फिक्की द्वारा जारी की गई ज्ञान रपोर्ट का तुर्की में अनुवाद कराया गया तथा तुर्की में वाणिज्य एवं उद्योग के प्रमुख चैंबरों को परिचालित किया गया।

मिशन ने 22 जनवरी 2015 को अंकारा में मेक इन इंडिया पर एक प्रस्तुति का आयोजन किया। फरवरी एवं मार्च 2015 में एम यू एस आई ए डी (उद्योगपतियों एवं व्यापारियों का स्वतंत्र संघ) तथा इस्तांबुल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के लिए इसी तरह की प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। जी-20 वित्त मंत्री बैठक के लिए अंकारा की अपनी यात्रा के दौरान वित्त मंत्री श्री अरूण जेतली ने 3 सितंबर 2015 को तुर्की के उद्यमियों के साथ सी आई आई व्यवसाय गोलमेज में भाग लिया।

निर्माण सामग्री क्षेत्र से तुर्की के व्यवसायियों के एक विशाल शिष्टमंडल ने इंडिया स्टोन मार्ट 2015 में भाग लेने के लिए 29 फरवरी से 1 फरवरी 2015 तक जयपुर का दौरा किया। भारत – तुर्की व्यवसाय मंच में भाग लेने के लिए उप वित्त मंत्री श्री अदनान यिल्दीरिम के नेतृत्व में तुर्की निर्यातक परिषद के एक शिष्टमंडल ने 6 से 9 अप्रैल 2015 के दौरान मुंबई का दौरा किया। 6 अप्रैल 2015 को भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) ने द्विपक्षीय व्यापार एवं आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यूनियन ऑफ चैंबर्स एंड कमोडिटी एक्सचेंजेज ऑफ टर्की (टी ओ बी बी) के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया। टी ओ बी बी ने भारत – तुर्की कार्य समिति एवं निवेश मंच की स्थापना के लिए फिक्की के साथ एक सहयोग करार पर हस्ताक्षर किया। तुर्की की ओलिव एवं ओलिव ऑयल संवर्धन समिति (जेड जेड टी के) ने 22 से 24 सितंबर 2015 के दौरान मुंबई में 'अन्नपूर्णा वर्ल्ड ऑफ फूड इंडिया' फेयर में भाग लिया। तुर्की के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय, टर्की होटल्स फेडरेशन, यूनियन ऑफ टर्किश ट्रैवल एजेंसी तथा टर्किश एयरलाइंस (टी एच वाई) के एक शिष्टमंडल ने 5 से 7 अक्टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। एक्सपोर्टर्स यूनियन ऑफ दि इस्तांबुल फर्नीचर, पेपर एंड फारेस्ट प्रॉडक्ट्स ने 15 से 18 अक्टूबर 2015 के दौरान मुंबई में 'इंडेक्स इंटरनेशनल इंटीरियर्स एंड डिजाइन इवेंट' में भाग लिया। वर्ष के दौरान फिक्की, सी आई आई, कांफिडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सिंथेटिक एवं रेयन वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद तथा आटोमोबाइल कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया से कारोबारी शिष्टमंडलों ने तुर्की का दौरा किया।

भारत-तुर्की द्विपक्षीय व्यापार विगत डेढ़ दशक में पर्याप्त रूप से बढ़ गया है। तुर्की को भारत की ओर से जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : मध्यम तेल एवं ईंधन, मानव निर्मित फिलामेंट एवं स्टेपल फाइबर, आटोमोटिव स्पेयर पार्ट्स एवं साजोसामान, जैविक रसायन आदि। भारत को तुर्की की ओर से जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : ब्रोकन /

अनब्रोकन पॉपी सीड्स, मशीनरी एवं यांत्रिक उपस्कर, लोहा एवं इस्पात एवं इनसे बनी वस्तुएं, जैविक रसायन, मोती तथा बहुमूल्य / अर्ध बहुमूल्य पत्थर एवं मेटल (इमिटेशन ज्वेलरी सहित), मार्बल आदि।

(स्रोत : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार) (आकड़े मिलियन अमरीकी डॉलर में)

	2010-2011	2011-2012	2012-2013	2013-2014	2014-2015	2015-2016 (अप्रैल - सितंबर)
भारत का निर्यात	2749.15	3547.26	3963.66	4433.75	5358.90	2022.10
वृद्धि (प्रतिशत में)		29.03	11.74	11.83	-1.29	387.56
भारत का आयात	821.06	1021.91	2034.18	760.74	1463.87	333.08
वृद्धि (प्रतिशत में)		24.46	99.06	-62.6	-0.48	
कुल व्यापार	3570.21	4569.17	5997.84	5193.21	6822.77	-

टर्किश सांख्यिकी संस्थान के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2015 की अवधि के दौरान भारत से तुर्की के आयात का मूल्य 5.11 बिलियन अमरीकी डॉलर के आसपास था। इस अवधि के दौरान भारत को तुर्की के निर्यात का मूल्य 606.8 मिलियन अमरीकी डॉलर था। 6 अगस्त 2015 को भारतीय स्टेट बैंक और तुर्की के ए के बैंक ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश की सहायता के लिए एक सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए। ड्रग फर्म सीक्वेंट साइंटफिक ने दिसंबर 2015 में घोषणा की कि इसकी सहायक कंपनी एलिवीरा एनिमल हेल्थ 20.7 मिलियन टर्किश लीरा (48 करोड़ रुपए से अधिक) के बदले में तुर्की आधारित फर्म टोपकिम का अधिग्रहण किया है।

सांस्कृतिक संबंध :

17 मई 2014 को इस्ताम्बूल में विदेश में पहली बार बन्यान ट्री के मुख्य सूफी एवं रहस्यवादी संगीत उत्सव- 'रूहानियत' का आयोजन किया गया। गांधी का उत्कृष्ट नेतृत्व विषय पर राजदूत पास्कल एलन नजारेत की पुस्तक के तुर्की संस्करण का विमोचन प्रतिषठित कोक विश्वविद्यालय में किया गया था। अंकारा विश्वविद्यालय के इंडोलाजी विभाग में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की एक हिंदी पीठ है तथा इस समय यहां पर भारत से एक प्रोफेसर तैनात हैं जो 50 से अधिक स्थानीय छात्रों को पढ़ा रहे हैं। मिशन ने 15 सितंबर 2015 को आई टी ई सी दिवस मनाया।

मध्य पूर्व तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर अंकारा विकासशील समाज अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली ने नई दिल्ली में 12 और 13 फरवरी, 2015 को 'पुराने संबंध, समकालीन डिबेट : भारत और तुर्की' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें तुर्की के विद्वानों ने सक्रियता से भाग लिया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और तुर्की ऐतिहासिक सोसायटी ने 26 और 27 मार्च 2015 को ''भारत - तुर्की पुराने एवं नए संबंध'' पर नई दिल्ली में एक सेमिनार का आयोजन किया। यू एस ए के (अंतर्राष्ट्रीय सामरिक अनुसंधान संगठन) में अमरीकी अध्ययन केंद्र प्रमुख श्री मेहमेट येगिन ने 27 और 28 अप्रैल 2015 को नई दिल्ली में ''पश्चिम एशिया में बदलाव'' पर ओ आर एफ – एम ई ए सम्मेलन में भाग लिया। प्राच्य विद्या विभाग के विभागाध्यक्ष तथा इंडिया डेस्क, अंकारा विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रो. कोरहन काया ने 21 से 25 नवंबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में इंडोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

बालिकेसिर से तुर्की के एक फोटोग्राफर के सहयोग से मिशन ने 20 से 22 मार्च 2015 के दौरान अंकारा में एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसका शीर्षक ''भारत के रंग'' था। भारत से पत्रकारों एवं सभ्य समाज के प्रतिनिधियों से युक्त एक शिष्टमंडल ने 23 से 29 मार्च 2015 के दौरान गाजियानटेप और इस्तांबुल का दौरा किया। तुर्की के प्रधानीमंत्री के अधीन लोक राजनय के कार्यालय ने शिष्टमंडल की मेजबानी की। भारत से ताज एक्सप्रेस बॉलीवुड संगीत समूह को 17 से 27 मई 2015 के दौरान अंताल्या में 6वें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव के

लिए अंताल्या के स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा आमंत्रित किया गया। भारतीय रंगमंच समूह कादिर अली बेग फाउंडेशन ने 21 से 23 मई 2015 के दौरान इस्तांबुल में अपने नाटकों के रिट्रोस्पेक्टिव को प्रदर्शित किया।

21 जून, 2015 को अंकारा में मध्य पूर्व तकनीकी विश्वविद्यालय (एम ई टी यू) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग पर एक फिल्म, योग प्रदर्शन तथा एक मास्टर क्लास शामिल थे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में काफी संख्या में योग में रूचि रखने वाले व्यक्तियों ने भाग लिया जो तुर्की समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। 30 जून तक एम ई टी यू पुस्तकालय प्रदर्शनी हाल में योग पर एक प्रदर्शनी लगाई गई और अब यह प्रदर्शनी एम ई टी यू का अंग बन गई है। इस अवसर पर तुर्की योग परिसंघ ने अपने नए मुख्यालय का उद्घाटन किया। अंकारा में आहलातीबेल पार्क में योग सत्र नामक एक निजी पहल का भी आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इस्तांबुल में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

9 जनवरी 2016 को प्राच्य विद्या विभाग, अंकारा विश्वविद्यालय के सहयोग से दूतावास में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। अंकारा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों तथा छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

तुर्की में भारतीय समुदाय:

तुर्की में छोटा सा भारतीय समुदाय है जो मुख्य रूप से इस्ताम्बूल और अंकारा में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और विश्वविद्यालयों में काम कर रहे हैं। इस्ताम्बूल में भारतीय स्टेट बैंक का एक प्रतिनिधि कार्यालय है। तुर्की एयरलाइन्स (एयर इंडिया के साथ एक कोड शेयरिंग व्यवस्था में) इस्ताम्बूल से मुम्बई और दिल्ली के बीच दैनिक उड़ानें संचालित करता है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, अंकारा की वेबसाइट:
http://www.indembassy.org.tr
भारतीय दूतावास, अंकारा का फेसबुक पृष्ठ:
http://www.facebook.com/EmbassyofIndiaAnkara

***

जनवरी, 2016